

सुविचार

इस दुनिया में रहने के लायक सिर्फ़ दो बेहतरीन जगह हैं, या तो आप किसी के दिल में रहें या दुआओं में।

दूध का दूध पानी का पानी होना जरूरी

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी विवाद के चलते आखिरकार ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को अपने पद से त्याग पत्र देना पड़ गया वहीं श्रीराम मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राय को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर करने की खबर है। गौरतलब है कि मंदिर की दानराशि में सेंध लगाए जाने की शिकायत मिलने के बाद उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के वाहन चालक रहे टिबू यादव सहित आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और उन्हें जेल भेज दिया गया। इसके बाद से ही चंदा चोरी के इस मामले को लेकर देशभर में बवाल मंच गया और प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी सहित अन्य पार्टियों ने इस मुद्दे को लेकर सवाल खड़ा करना शुरू कर दिया था। इसके बाद मामले की जांच में तेजी आ रही है और नित नए खुलासे हो रहे हैं। जाहिर है यह करोड़ हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा मामला है इसलिए सरकार भी फूंक फूंक कर कदम रख रही है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले का खुलासा होने के तत्काल बाद अयोध्या पहुंचे थे और उन्होंने घोषणा की थी कि इस चंदा चोरी में सलित किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने 15 दिनों का समय तय किया था और एक सप्ताह के भीतर ही 8 लोगों की गिरफ्तारी भी हो गई तथा ट्रंस्ट के महासचिव तथा ट्रस्टी को अपने पद से हटना पड़ा। हालांकि यह काम पहले ही हो जाना चाहिए था। खासतौर पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को तो इस मामले के उजागर होते ही नैतिकता के नाते अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि मंदिर में चढ़ावे की राशि को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी उनकी ही थी और इस मामले में उनके निरक्षर रहे लोगों पर ही आरोप लग चुके हैं जो अब गिरफ्तार भी हुए हैं। कायदे से तो एसआईटी जांच की घोषणा के बाद ही मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सहित सभी ट्रस्टियों को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। क्योंकि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए यह आवश्यक था कि सभी ट्रस्टियों की छुट्टी कर दी जाए। किन्तु पता नहीं क्यों ऐसा नहीं किया गया इसी वजह से विपक्ष को यह आरोप लगाने का मौका मिल गया कि एसआईटी जांच के नाम पर प्रकरण में लिपा पोती की जा रही है। खासतौर पर इस मामले को लेकर समा सुप्रिमां अखिलेश यादव ज्यादा मुखर हैं। 8 माह बाद उत्तरप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं और उनके पास योगी सरकार या भाजपा के खिलाफ मुद्दों का अभाव था अब उनके हाथ में चंदा चोरी का यह बड़ा मुद्दा आ गया है जो करोड़ो हिन्दुओं की आस्था से भी जुड़ा हुआ है। ऐसे में वे इस मुद्दे को लेकर सियासत जरूर करेंगे और इसे आगामी विधानसभा चुनाव तक जिंदा रखने की भी कोशिश करेंगे। इससे समाजवादी पार्टी या अन्य विपक्षी पार्टियों को कितना चुनावी लाभ मिलेगा यह कह पाना तो मुहाल है लेकिन भाजपा का इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। यदि चंदा चोरी के इस संसंनोयखेज मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और चून चून कर इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी गई। यह बात उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी भलिभाति समझ रहा है और इस पूरे मामले पर भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व भी नजर लगाए हुए है इधर योगी आदित्यनाथ लगातार यह भरोसा दिला रहे हैं कि चंदा चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच होगी और सभी अपराधियों को उनके किये की सजा जरूर दी जाएगी। इसके साथ ही अब सरकार को चाहिए कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में फिर ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए वहां दान में मिली राशि को सुरक्षित रखने के लिए चाक चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जैसा देश के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में होता है। बेहतर होगा कि पूरी व्यवस्था की निगरानी के लिए एक आईएस अफसर की भी नियुक्ति की जाये।

सदगुरु बोधामृतम

दूसरों के कष्ट में पड़ने पर हम उन्हें जो ज्ञान और उपदेश देते हैं, स्वयं कष्ट में पड़ने पर उन्हीं उपदेशों का उन्होंने दर्शन कहे हैं, एक



सदगुरु ऋतेवर

कहना ही जब तक इस देश को नहीं आएगा, तब तक बाकी जितने भी रिफॉर्मेशन करो कोई फ़यदा नहीं है। महान पुरुषों, भक्तों के नाम लेने मात्र से ही उनके गुण सामने चले आते हैं, गुरु भक्ति उछाल कहना और प्रतिष्ठित को प्रतिष्ठित मारने लगती है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 2000 - सिएरा लियोन में रिवॉल्यूशनरी युनाइटेड फ्रंट के विद्रोहियों ने बंधक बनाने गये शेष 21 भारतीय शांति सैनिकों को हिला किया, विश्व की प्रमुख कम्पनी आई.बी.एम. द्वारा विश्व का सबसे तेज कम्प्यूटर निर्मित। 2002 - चीन में जबर्दस्त भूकम्प आया। 2004 - पूर्वी एशिया सम्मेलन (जकार्ता) में आसियान को प्रमुख ताकत बनाने पर सहमति। 2005 - भारत और अमेरिका में समग्र 10 वर्षीय समझौता। 2008 - पर्यावरण से जुड़ी गैर सरकारी संस्था जनहित फण्डेशन को पर्यावरण क्षेत्र का प्रसिद्ध पुरस्कार आइकॉम पुरस्कार प्रदान किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने कैलिफ़ोर्निया के जंगलों में आग से प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। 2014 - साहना नेहवाल ने ऑस्ट्रेलियन सुपर सीरीज जीती। 2011 - दुनिया के प्रमुख विकसित एवं विकासशील देशों में आज की भागदौड़ और आपाधापी से होने वाले तनाव के बारे में किए गए भारतीय महिलाएं के सर्वेक्षण के अनुसार भारत की सर्वाधिक महिलाएं तनाव में रहती हैं। दुनिया भर में महिलाएं अर्थिक को बेदद तनाव और दबाव में महसूस करती हैं। यह समस्या आधुनिक तौर पर उभरते हुए देशों में ज्यादा दिख रही है।

देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते हैं, केंद्रीय शिक्षामंत्री



नरेंद्र तिवारी

प्रजातंत्र में जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व होना चाहिए। कोई इससे बच नहीं सकता है। एक स्कूल का प्राचार्य परीक्षा परिणाम बिगड़ने पर उत्तरदायी माना जाता है, जबकि प्राचार्य स्कूल का प्रबंधक होता है, उस पर शिक्षकीय दायित्व कम ही होता है, किंतु संस्था प्रमुख होने के कारण जिम्मेदारी प्राचार्य कि मानी जाती है।

इस प्रकार भारत सरकार के शिक्षामंत्री पर भी सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही का सिद्धांत लागू होता है। इसी जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत को पालन करवाए जाने कि मांग को लेकर नवनिर्मित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले पहले तो देश के बड़े शहरों में फिर देश कि राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस विषय पर देश भर में आंदोलन चला रखा है।केंद्र सरकार को इस विषय पर खामोश नजर आ रही हैं। इस प्रकार आंदोलनकारियों कि अनदेखी करना देश कि वर्तमान सरकार कि आदत में शुमार हो गया हैं। सरकार को देश के

भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण शिक्षा मंत्री का पद पर बने रहना उचित लग रहा हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल किये जा रहे हैं। सरकार कि और से इसका जवाब कोई देने को तैयार नहीं हैं। 3 मई को आयोजित परीक्षा को पेपर लीक होने के बाद रद्द किया गया। इसके बाद 21 जून को री-नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा के बाद टीवी चैनल को दिए अपने साक्षात्कार में देश केेंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने री-नीट के सफल आयोजन को उपलब्धि मानते हुए उन्होंने इसे पारदर्शी और लिंक फ्फुफ माना। उन्होंने री-नीट के सफल आयोजन के लिए सहयोगी एवं माध्यम से प्रदर्शनकारी केेंद्रीय शिक्षा मंत्री साक्षात्कार में उन्होंने राहुल गांधी पर देश के छात्रों को गुमराह करने का आरोप और काकरोच जनता पार्टी को उन्होंने देश को बाटने वाली क़टीम बताते हुए कहा जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं वह जंतर-मंतर पर डफली बजा रहे हैं। देश इसकी समीक्षा कर रहा हैं।



देश के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लिंक के बाद दिए अपने साक्षात्कार में जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन को राष्ट्रविरोधी बताना उचित नहीं हैं। अपने विचार से विपरीत विचार को देश के टुकड़े करने वाला, राष्ट्र विरोधी विचार बताना एक फैशन हो गया हैं। प्रधान ने उसी फैशनबेल भाषा का उपयोग किया। जबकि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहरा रहा हैं। राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीयता से जुड़े गीतों से युवा लंबरेज दिखाई दे रहे हैं।

जंतर-मंतर पर सबसे अधिक गूज केेंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्याग-पत्र को लेकर सुनाई दे रही हैं। वही शिक्षामंत्री जो 21 जून कि री-नीट परीक्षा को सफल मानकर सामूहिक उत्तरदायित्व और जवबाबदेही के साथ सरकार कि पिट थपथपा रहे हैं। उन्हें 3 मई को नीट हैं। प्रधान ने उसी फैशनबेल भाषा का उपयोग किया। जबकि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहरा रहा हैं। राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीयता से जुड़े गीतों से युवा लंबरेज दिखाई दे रहे हैं।

अपना अपने पद से त्याग-पत्र देकर देश कि जनता से माफ़ी मांगना चाहिए थी। किंतु शायद ऐसा करने का साहस उन्मे नहीं हैं। देश समीक्षा कर रहा है, आपकी सफलता और विफलता कि भी, सामूहिक उत्तरदायित्व और जवाबदेही के सिद्धांतो के पालन में सफलता और विफलता के दौरान अंतर करने के मामले में भी और देश यह भी समीक्षा कर रहा है कि देश के युवा जो शिक्षा व्यवस्था में खामियों को लेकर अपने भविष्य कि चिंता को लेकर झंडा उठा रहे हैं, उन्हें राष्ट्र विरोधी बताया जा रहा है। प्रजातंत्र में सत्ता पक्ष के खिलाफ उठने वाली हर आवाज़ राष्ट्र विरोधी नहीं होती, यह आवाजे भी राष्ट्र निर्माण कि आवाजे हैं। जंतर-मंतर दिल्ली में है। देश कि राजनैतिक पार्टियां भी भारत के प्रजातंत्र कि देन है। यह पार्टियां भी उत्तनी ही राष्ट्रीय है, जितनी देश कि सत्ता में काबिज दल, जिसका सोच भी बेहतर राष्ट्र का निर्माण हैं। केंद्र सरकार को चाहिए देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते देश के केेंद्रीय शिक्षामंत्री इन्हे बर्लना भी जा सकता है। नीट पेपर लिंक मामला सामुदायिक उत्तर दायित्व और जवाबदेही का विषय हैं।

छत्तीसगढ़ के युवाओं की सेहत पर मंडरा रहा जंक फूड का खतरा



डॉ. अभया जोगलेकर

इस समय हम दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के नागरिक हैं, लेकिन इस आबादी की सेहत पर ‘जंक फूड’ का गहरा साया मंडरा रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एचएफ़चएस-6) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय किशोरों के खान-पान की आदतों में आया बदलाव एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। इस मामले में छत्तीसगढ़ की ताजा रिपोर्ट चिंताजनक तो है ही, साथ ही कुछ बिंदु ध्यान देने योग्य हैं

एचएफ़चएस-6 के आंकड़े बताते हैं घर के भोजन का स्थान पैकेटबंद स्नैक्स ने ले लिया है। डिजिटल विज्ञानों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट के चलते किशोरों में प्रोसेस्ड फूड के प्रति आकर्षण खतलाक स्तर तक बढ़ गया है। शहरी ही नहीं, ग्रामीण इलाकों के किशोर भी लगातार में कड़े बार इंस्टेंट नूडल्स, आलू के चिप्स, नमकीन,

पिज्जा, बर्गर और कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक्स (सॉफ्ट ड्रिंक्स) का सेवन कर रहे हैं। जंक फूड के बढ़ते चलन के कारण किशोरों की थाली से दाल, हरी पत्तेदार सब्जियां, मोटे अनाज और फल गायब हो रहे हैं। ये खाली कैलोरी किशोरों का पेट तो भर रही हैं, लेकिन उनके शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं दे पा रही है।

एचएफ़चएस-6 के आंकड़ों के अनुसार सर्वेक्षण के आंकड़े शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बढ़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। एचएफ़चएस-5 से एचएफ़चएस-6 की तुलना करें तो पता चलता है की 15 से 49 वर्ष के शहरी और ग्रामीण युवाओं में मोटापे की दर पहले से बढ़ी हुई है। इसी प्रकार महिलाओं के मोटापे की दर 14 से बढ़कर 20.3 हुई है। विशेष रूप से अस्वास्थ्यकर खान-पान और शारीरिक रूप से निष्क्रिय जीवनशैली, स्क्रीन टाइम बढ़ने का सीधा नतीजा वजन बढ़ने के रूप में सामने आया है। शहरों के सघन परिवारों के किशोरों में ओवरवेट (ज्यादा वजन) और मोटापे की दर में पिछले सर्वेक्षणों की तुलना में काफी तेजी से लिया है। डिजिटल विज्ञानों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट के चलते किशोरों में प्रोसेस्ड फूड के प्रति आकर्षण खतलाक स्तर तक बढ़ गया है। शहरी ही नहीं, ग्रामीण इलाकों के किशोर भी लगातार में कड़े बार इंस्टेंट नूडल्स, आलू के चिप्स, नमकीन,

की चपेट में आ रहे हैं।

हिडन हंगर: मोटे लेकिन एनीमिकजंक फूड कैलोरी से भरपूर होते हैं, लेकिन इसमें विटामिन और मिनरल्स शून्य होते हैं। इस वजह से भारतीय किशोरों में एक अजीब विरोधाभास देखने को मिल रहा है। देश की 50 फीसदी से अधिक किशोरियां एनीमिया (खून की कमी) की शिकार हैं और किशोरों



में भी यह दर ऊंची है। इस स्थिति को चिकित्सा विज्ञान में ‘हिडन हंगर’ (छिपी हुई भूख) कहा जाता है, जहां एक किशोर देखने में भारी-भरकम या मोटा लग सकता है, था। लेकिन एचएफ़चएस-6 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते और कम गुणवत्ता वाले पैकेटबंद स्नैक्स की आसान पहुंच होने के कारण ग्रामीण किशोर भी अब तेजी से मोटापे

में भी यह दर ऊंची है। इस स्थिति को चिकित्सा विज्ञान में ‘हिडन हंगर’ (छिपी हुई भूख) कहा जाता है, जहां एक किशोर देखने में भारी-भरकम या मोटा लग सकता है, था। लेकिन आंतरिक रूप से वह गंभीर कुपोषण और आयरन की कमी से जूझ रहा होता है।

एचएफ़चएस-6 का सबसे चिंताजनक संकेत यह है कि जो बीमारियां

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



पाने का अरमान बहुत है। खोना पर आसान बहुत है।। अन सुलझे हैं कई मसअले। अब आप्त में जान बहुत है।। शोषे से जो मुझे घूरता है।। ये चेहरा अन्जान बहुत है।। दुनिया अलग बनाई थी जो। तैरे बिन वीरान बहुत है।। एक मिला न सफ़र का साथी। सोचा था पहचान बहुत है।। क्या बदला है मुझमें ऐसा। क्यूँ दुनिया हैरान बहुत है।। चार दिनों के सफ़र में -कमलन-। बदला ये ईसान बहुत है।। आज का दिन हम सबके लिए मंगलमय हो।

- कमलकांत डोंगरे

मेरे बिजली बिल में लगातार वृद्धि होती जा रही है। जब से स्मार्ट मीटर लगा है तबसे ज्यादा बिल आ रहे हैं। जनवरी में 7430 फरवरी में 530 रुपए का बिल आया । मार्च में स्मार्ट मीटर लगने के बाद 2510 रूप अप्रैल में 5520 रू और द्रुडु4 में 6800 का बिजली बिल आया है।

- तपन मुखर्जी

हर प्रभात यह मान चलो, अंतिम मिली किरण है, हर श्वास ईश्वर का अनुपम, अमृत-सा अर्पण है। जो कहना है प्रेम से कह दो, मत रखना मन मौन, जीवन का विश्वास कहाँ है, क्षण में बदले कौन।

- राकेश मिश्रा

पूरा मर्द समाज स्त्री से भयभीत हुआ जा रहा है... कुछ स्त्रियों ने तीन चार को मारा तो लोग हाय तौबा मचाये जा रहे हैं जब कि अनगिनत स्त्रियाँ रोज मौत के घाट उतारी जा रही हैं ,उस पर लोग चुप क्यों हैं? क्या वाकई स्त्री से डरने की आवश्यकता है?

- डॉ समीक्षा पाण्डेय

दिल पर अपने तरस आता है खुद से वादों के पुल बनाता है खुदगुा ख्याल अक्बर ही अब आकर दिल को बहुत रलता है आईने की तरह साफ है सब पर ये मन सह कहां मानता है बिखरता है हरदिन कुछ न कुछ फिर भी आस रोज जगाता है हर ख्वाब झूठ ही सही मगर इन आँखों को सुकून दिलाता है ख्वाहिशें यूं मचलकर रह जाती पलभर भी नहीं करार आता है चाहत है कि घर अपने सब लाए अपने हाथों जितना कमाता है।

- सपना चन्द्रा

खूटी पर सजी एक विलक्षण दीवार जिसमें : उगाता है समय और ढलता है: सभ्यता भरा आकाश दीवार में हैं सिसकियाँ और मद बगार-सी अठखेलियाँ लेकिन कोई नहीं पूछेगा तकिए पर ढली आँखिरी हिचकी कौन सी है ? सब पूछेंगे : तुम किस दिशा में सोये हो और तुम्हारे हिस्से का सूरज कौन सा है? एक विलक्षण दीवार बरसों वहीं है : नम पपड़ी के नैसर्गिक अध्याय में..! !- अनुभूति ‘अनु’

जिन्दगी में कभी गमजुदा ही न हो
हौसला तेरे दिल से जुदा ही न हो।
धूप कितनी भी तेजी से बरसे मगर तेरे सपनों का पौधा जला ही न हो।
वक्त की आँधियाँ लाख चलती रहें तेरा इमान लेकिन डिगा ही न हो।
दर्द जब हद से बढ़कर सताने लगे लव पे शिकवा कोई जरा ही न हो।
हार के बाद ही जीत मिलती यहाँ वाक्या ये किसी से छुड़ा ही न हो।
जो वतन के लिए जी सके शान से उससे बढ़कर कोई हमनावा ही न हो।
माँ के कदमों में होता है जन्नत का दर
इससे बढ़कर कोई आसरा ही न हो।
नाम रोशन करो इस तरह से ‘आर्या’
बाद मरने के कोई गिला ही न हो।
- अन्नपूर्णा बाजपेयी आर्या



राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

मुस्कुराहटों और अपनों के साथ बिताए खुशसूरत पलों का संदेश लेकर आया है। परिवार के साथ बैठकर पुरानी समस्याओं का हल निकालने का अवसर मिलेगा।

मिथुन: आज का दिन आपको सावधानी और संतुलन का संदेश दे रख है। वाहन चलाते समय विशेष सतर्कता बरतें, वर्योक्ति लौटने-सी लापवाही अतिरिक्त खर्च का कारण बन सकती है।

कर्क: आज पीतानी के साथ किसी विषय पर विचारों का मतभेद हो सकता है, लेकिन उनकी सलाह आपके लिए भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है।

सिंह: आज आपका मन आध्यात्मिक ऊर्जा से भर सकता है। पूजा-पाठ, धार्मिक कार्य या किसी पवित्र आयोजन में शामिल होकर आपको भीरते से शांति और संतोष का अनुभव होगा।

कन्या: विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। सीखने, प्रशिक्षण लेने या किसी नई जगह अनुभव प्राप्त करने का मौका मिल सकता है।

तुला: आज कुछ खास लोगों से मुलाकात आपके भविष्य की दिशा बदल सकती है। यात्रा के योग भी बन रहे है और यह यात्रा लाभदायक साबित हो सकती है। विदेश से जुड़े व्यापार या कार्यों में सकारात्मक समाचार मिलने की संभावना है।

वृश्चिक: आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है। किसी बड़े निर्णय में आपकी समझदारी ही आपको सही दिशा दिखाएगी।

धनु: आज का दिन आपको अपनी पुरानी

गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी राह में बाधाएँ खड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं।

मकर: आज आपकी मेहनत और समर्पण आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सराहजन आपके दिन को खास बना सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगा ।

कुंभ: आज खर्चों की रफ्तार आपकी अपेक्षा से थोड़ी तेज रह सकती है, इसलिए बजट पर विशेष ध्यान देना होगा। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में चल सकता है, लेकिन कोई भी फैसला अपनी आर्थिक स्थिति को देखकर ही लें।

मीन: आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से किया गया काम गलती का कारण बन सकता है।



वॉटर प्लांट क्षेत्र में खुदाई से बने गहरे गड्ढे में समाए 3 दोस्त

तिलवारा के दहा घाट की गहराई ने निगल लीं 3 जिंदगियां

नवप्रदेश/ जबलपुर।

तिलवारा थाना क्षेत्र के दहा घाट पर शनिवार दोपहर 3 बजे एक हृदयविदारक हदसे में तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। गढ़ा के मुजावर मोहल्ला स्थित सूपाताल क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय राजा खान, 18 वर्षीय साहिल खान और साहिल पुत्र शकील दोपहर करीब तीन बजे नर्मदा में नहाने पहुंचे थे।

इसी दौरान वे वॉटर प्लांट क्षेत्र के पास खुदाई से बने गहरे हिस्से में चले गए



और पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगने से एक-एक कर डूब गए। सूचना मिलते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल फैल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घाट के समीप वॉटर प्लांट के कार्य के चलते नदी के भीतर गहरा गड्ढा बन गया है। नहाने के दौरान तीनों किशोर अनजाने में उसी हिस्से तक पहुंच गए, जहां पानी अचानक काफी गहरा था। गहराई अधिक होने के कारण वे बाहर नहीं निकल सके। देखते ही देखते तीनों पानी में समा गए। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई, लेकिन तब तक हालात नियंत्रण से बाहर हो चुके थे।

घटना की सूचना मिलते ही तिलवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ को भी सूचना दी गई, लेकिन उसके पहुंचने से पहले स्थानीय नाविकों और युवकों ने अपने स्तर पर तलाश अभियान शुरू कर दिया। काफी मशक़त के बाद तीनों किशोरों को पानी से बाहर निकाला

गया, जहां मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तिलवारा थाना प्रभारी बुजेश मिश्रा ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

इस दर्दनाक हादसे के बाद वॉटर प्लांट क्षेत्र में चल रही खुदाई और वहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गहरे पानी वाले हिस्से के आसपास न तो पर्याप्त चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे और न ही लोगों को वहां जाने से रोकने के इंतजाम थे।

मुजावर मोहल्ले में मातम पसरा

हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन और मोहल्ले के लोग बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। तीन युवाओं की एक साथ मौत से पूरे मुजावर मोहल्ल़ और आसपास के इलाके में मातम पसरा हुआ है।

डॉक्टर के घर के कैमरे जांच के लिए लैब भेजे गए

माइक से आई धमकी भरी आवाजें

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र के आदर्श नगर में रहने वाली डॉक्टर प्राची सक्सेना के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के हैक होने का मामला सामने आया है। कैमरों के माइक से लगातार सदिग्ध और धमकी भरी आवाजें सुनाई देने पर डॉक्टर ने गोरखपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घर में लगे दो कैमरे जब्त कर जांच के लिए लैब भेज दिए हैं। डॉ. प्राची सक्सेना ने पुलिस को बताया कि घर की सुरक्षा के लिए लगाए गए कैमरों से पिछले करीब दस दिनों से अजीब आवाजें सुनाई दे रही थीं। शुरुआत में उन्होंने इसे तकनीकी खराबी समझा, लेकिन बाद में बच्चे के रोने और किसी व्यक्ति द्वारा धमकी व अभद्र बातें किए जाने जैसी आवाजें आने लगीं। उन्होंने बताया कि जैसे ही इन आवाजों को रिकॉर्ड करने का प्रयास किया जाता, आवाज बंद हो जाती थी। इससे आशंकित होकर उन्होंने कैमरों को ढक दिया और उनका कनेक्शन भी काट दिया, जिसके बाद पुलिस से शिकायत की गई।

कैमरों की एक्सेस और हैकिंग की जांच शुरू
पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर एंगल से जांच शुरू कर दी गई है। जब्त किए गए कैमरों की तकनीकी जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि उन्हें किस प्रकार हैक किया गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। डॉ. प्राची का कहना है कि ऐसा महसूस हो रहा था जैसे कोई लगातार उनके घर की गतिविधियों पर नजर रख रहा हो, जिससे पूरा परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में आ गया।

प्री मानसूनी बादलों की फुहार से उमस भड़की

जबलपुर, । मानसून के आगमन में अभी कुछ वक्त और है। मौसम विभाग का कहना है कि एक हफ्ते के अंदर पूरे प्रदेश में मानसून की सक्रियता नजर आ सकती है। अभी तक प्री मानसून की बारिश हो रही है। पिछले तीन माहों से तंदूर की तरह भभकती धरती पर शनिवार को शाम पानी की बूंद पड़ने ही धरती ने उमस उलाना शुरू कर दिया। बारिश होने से हवा में नमी जरूर बढ़ी लेकिन हवा नहीं चलने से उमस प्रभावी रही। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं।

रोमानिया फैशन वीक में होगा प्रदर्शन

आईडीए के स्टूडेंट्स की क्रिएटिविटी का जलवा



नवप्रदेश/ जबलपुर।

इंटरनेशनल डिजाइन एकेडमी (आईडीए), विजय नगर द्वारा साउथ एवेन्यू मॉल में दो दिवसीय डिजाइन एक्सपो एवं एकजीबिशन का आयोजन किया गया। शुभारंभ फाउंडर एवं डायरेक्टर बतुल अली ने किया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी में फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने ब्लॉक प्रिंट, मिरर वर्क और पारंपरिक परिधानों के आकर्षक डिजाइन प्रस्तुत किए, जबकि इंटीरियर डिजाइन के छात्रों ने रेजिडेंशियल व कमर्शियल आर्किटेक्चरल मिनिएचर मॉडल्स

प्रदर्शित किए। बतुल अली ने बताया कि आईडीए के विद्यार्थियों की मिरर वर्क एवं ब्लॉक प्रिंट आधारित डिजाइन कृतियां 29 जुलाई को रोमानिया फैशन वीक में प्रदर्शित की जाएंगी, जो जबलपुर के लिए गौरव की बात है। प्रदर्शनी में शहर के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का चयन इंटरशिप के लिए

भी किया। कार्यक्रम में फैकल्टी कुर्सई अली, अमृता गुप्ता, आशा मंडानी, काजोल सिंह ठकुर, सम्राट सराफ, मुस्कान मतानी, आजरा अंसारी, वंशिता जैन, सृष्टि कुशवाहा, निमिषा यादव, एशा घमान, मुर्तुजा अली एवं मुस्तफा अली का सहयोग रहा। इंटीरियर और फैशन डिजाइन के 80 विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

4 सड़क दुर्घटनाओं में 8 घायल

नवप्रदेश/ जबलपुर।

खमरिया, पाटन, सिविल लाईन और रांझी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना की चार मामलों सामने आए हैं। इस दुर्घटना में 8 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खमरिया पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार काछी मोहल्ल पिपरिया निवासी 45 वर्षीय आटो चालक सुनील पटेल अपने आटो क्रमांक एम.पी. 20 आर 8204 में गत दिवस खमरिया बाजार से तीन महिला सवारी को लेकर पिपरिया आ रहा था तभी खमरिया अस्पताल मोड़ के आगे इमली के पेड़ के पास सामने से आ रही कार चालक

ने उसकी आटो में दाहिने तरफ टक्कर मार दी, जिससे आटो पलट गई, जिसमें बैठी एक महिला सवारी को ज्यादा चोट आने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं आटो चालक के पैर एवं कमर और कंधे में चोटें आई हैं वहीं दो अन्य महिला सवारी को दूसरे वाहन से उनके घर पहुंचाया।

इसी प्रकार ग्राम ग्वारी निवासी 35 वर्षीय सुनील चौधरी गत रात लगभग 9 बजे बाजार कर ग्राम सहसन से पैदल अपने घर ग्वारी जा रहा था राजुल ढाबा के पास स्कूल के चालक ने टक्कर मार दी और पाटन तरफ भाग गया। एकसीडेंट से उसके बायें पैर में चोटें आयी हैं। घायल को शासकीय अस्पताल पाटन में भर्ती कराया है।

इसी तरह सिविल लाईन में रजा चौक गली नंबर 3 हनुमानताल निवासी 19 वर्षीय उमर सिद्धिकी देर रात सिविल लाईन से

अधारताल अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एमयू 5388 से अपने साथी आफताब मंसूरी एवं फरहान खान के साथ जा रहा था, रात लगभग 1.45 बजे मालगोदाम चौक पहुंचे तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीजे 4138 के चालक ने उसकी मोटर सायकल में टक्कर मार दी, जिससे तीनों मोटर सायकल सहित गिर गये और तीनों घायल हो गए7 तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वहीं रांझी में मानेगांव निवासी 48 वर्षीय इंद्रेश यादव शनिवार की सुबह लगभग 6 बजे अपनी बहू अमृता को लेने बड़ा पत्थर रांझी गया था जहां से अपनी बहू अमृता को बैठाकर जा रहा था बड़ा पत्थर फुहारा के पास सामने से आ रहा वाहन क्रमांक एमपी 20 एक्स डी 1742 के चालक ने उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी जिससे दोनों नीचे गिरकर घायल हो गए।

सड़ रहा भंवरताल उद्यान फव्वारे का पानी

मॉर्निंग वॉक व पर्यटकों को परेशानी

नवप्रदेश/जबलपुर।

शहर के प्रमुख भंवरताल उद्यान में बंद पड़े म्यूजिकल फव्वारों और फैली गंदगी से मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों व पर्यटकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से बंद फव्वारों में जमा पानी सड़ने से पूरे परिसर में दुर्गंध फैल रही है।



हालिया पड़ताल में सामने आया कि रखरखाव के अभाव में फव्वारों में काई जम गई है और उद्यान की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है। सैर के लिए पहुंचे दीपेश कुमार ने बताया कि बदवू के कारण उद्यान में अधिक देर तक रुकना मुश्किल हो गया है। उद्यान विभाग के मनीष तड़से ने कहा कि सफाई के निर्देश जारी कर दिए गए हैं तथा पंप भी लगा दिया गया है, जिसे जल्द दुरुस्त कर फव्वारों की सफाई कराई जाएगी।

लाखों रुपये की लागत से स्थापित म्यूजिकल फव्वारे देखरेख के अभाव में बेकार पड़े हैं। इनमें जमा गंदा पानी अब संक्रमण और गंदगी का कारण बन रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर रखरखाव नहीं होने से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है। उनका मानना है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया तो उद्यान की पहचान रहे ये फव्वारे पूरी तरह अनुपयोगी हो जाएंगे। फिलहाल विभाग ने व्यवस्थाएं सुधारने का भरोसा

दिया है, लेकिन मौके पर हालात अभी भी संतोषजनक नहीं हैं।

गंदगी और मच्छरों से बड़ी चिंता

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भंवरताल उद्यान शहर की महत्वपूर्ण पहचान है, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के कारण इसकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। फव्वारों में जमा पानी मच्छरों के पनपने का कारण बन रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ रहे हैं। उद्यान के कई हिस्सों में सफाई व्यवस्था कमजोर दिखाई दे रही है। मॉर्निंग वॉक करने वालों ने नियमित सफाई, फव्वारों की मरम्मत और बेहतर रखरखाव की मांग करते हुए कहा कि केवल आश्वासन नहीं बनना है, बल्कि स्थायी समाधान की जरूरत है।

भी हुई। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि उज्जैन में लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी भूमि एक ट्रस्ट को नाममात्र की राशि पर आवंटित की गई है, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने हालिया मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव, उनके परिवार और उनसे जुड़ी

रियल एस्टेट कंपनियों द्वारा उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में जमीन खरीदी गई है। कांग्रेस नेताओं ने इन खरीदों के लिए धन के स्रोत को सार्वजनिक करने तथा टेक्स चोरी सहित अन्य कथित वित्तीय अनियमितताओं की भी जांच कराने की मांग की। प्रदर्शन में सतेंद्र (सोनू) कुकरेले, डॉ. रमाकांत रावत, रिकू यादव, भानु यादव, कपिल भोजक, राजा रैकवार, अचलनाथ, राजेश गुप्ता, नीलेश जैन, नितिन सिंह, शिवम यादव, योगेंद्र वंशकार, प्रकाश खरे सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एएसआई के तबादले पर अंतरिम रोक

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से छह सप्ताह में जवाब तलब

नवप्रदेश/ जबलपुर।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकार सहित संबंधित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के स्थानांतरण आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकार सहित संबंधित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता राजेंद्र प्रसाद यादव की ओर से दायर याचिका में बताया गया कि उनकी नियुक्ति 11 फरवरी 1995 को कांस्टेबल ट्रेड (कुक्) के रूप में हुई थी। बाद में उन्हें पदोन्नति देकर 16 अगस्त 2013 को सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) बनाया गया। याचिका में कहा गया कि एएसआई का पद ट्रेड संवर्ग से संबद्ध नहीं है, इसलिए पदोन्नति के बाद ट्रेड आधारित तैनाती अथवा स्थानांतरण का औचित्य नहीं बनता। याचिका के अनुसार, उमरिया के पुलिस

आदेश के माध्यम से याचिकाकर्ता का थाना मानपुर से रक्षित केंद्र (रिजर्व सेंटर), उमरिया स्थानांतरण कर दिया गया था। इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अजय शंकर रायजादा, प्रभात यादव एवं अमित रायजादा ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि स्थानांतरण आदेश पदोन्नति की शर्तों एवं सेवा नियमों के विपरीत है, क्योंकि एएसआई पद पर किसी प्रकार की ट्रेड संबंधी बाध्यता नहीं रहती। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विशाल धगत ने 29 मई 2026 के स्थानांतरण आदेश के प्रभाव एवं स्थिति पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी।

अमेजन, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट भारत में एआई के लिए कर रहीं 5,400 अरब रुपये निवेश

नई दिल्ली। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियां भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश बढ़ा रही हैं।

अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल ने मिलकर इस सेक्टर में करीब 57 अरब डॉलर (लगभग 5,400 अरब रुपये) निवेश करने का वादा किया है। हाल ही में अमेजन ने 2030 तक भारत में एआई और क्लाउड सेवाओं के विस्तार के लिए 13 अरब डॉलर

और निवेश का ऐलान किया। इससे कंपनी का कुल निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।

अमेजन ने बताया कि नया निवेश मुंबई और हैदराबाद में एडब्ल्यूएस डाटा सेंटर की क्षमता बढ़ाने पर खर्च होगा। इससे स्टार्टअप, बड़ी कंपनियों और सरकारी संस्थानों को एआई चिप्स, क्लाउड सेवाएं और डेवलपर टूल्स आसानी से मिल सकेंगे। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट ने 2029 तक भारत में 17.5 अरब डॉलर निवेश की



चोषणा की थी। वहीं गूगल भी बचाने के लिए 15 अरब डॉलर निवेश कर रहा है और कई नई सुविधाएं विकसित करेगा। कंपनियों का मानना है कि भारत में मजबूत इंजीनियरिंग

प्रतिभा, तेजी से बढ़ती डिजिटल पहुंच और एआई अपनाने की रफ्तार इसे बड़ा बाजार बना रही है। अमेजन के सीईओ एंडी जेम्सी और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि भारत भविष्य में एआई विकास का अहम केंद्र बनेगा।

माइक्रोसॉफ्ट हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में अपने क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का भी लगातार विस्तार करने की तैयारी कर रहा है और नई तकनीकों पर लगातार काम करेगा। केंद्र सरकार

एआई और डाटा सेंटर निवेश को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां लागू कर रही है। बजट में विदेशी क्लाउड कंपनियों के लिए टैक्स राहत का प्रस्ताव दिया गया है। मेटा ने भी भारत में एआई डाटा सेंटर के लिए रिलायंस के साथ साझेदारी की है। हालांकि, आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा का मानना है कि एआई पर हो रहा भारी खर्च भविष्य में सभी कंपनियों के लिए लाभदायक साबित होगा या नहीं, यह अभी साफ नहीं है।

न्यूज गैलरी

चीन, जापान और रूस के सस्ते स्टील के खिलाफ भारत ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू उद्योगों को विदेशी बाजार के नुकसानदेह मुकाबले से बचाने के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है. केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय की शाखा डीजीटीआर ने चीन, जापान और रूस से भारत आ रहे सस्ते स्टील के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू कर दी है. भारतीय कंपनियों की शिकायत के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है. घरेलू कंपनियों का दावा है कि ये तीनों देश अपने स्टील को वास्तविक लागत से बहुत कम कीमत पर भारत में बेच रहे हैं. इस प्रक्रिया को व्यापार की भाषा में डंपिंग कहा जाता है. इसके कारण भारतीय कंपनियों के व्यापार को भारी नुकसान पहुंच रहा है और बाजार का संतुलन बिगड़ रहा है. इस जांच के दायरे में हॉट-रोलड फ्लैट प्रोडक्ट्स को रखा गया है. यह मुख्य रूप से अलॉय या नॉन-अलॉय स्टील से बने उत्पाद होते हैं, जिनकी मोटाई 25 मिलीमीटर और चौड़ाई 2100 मिलीमीटर तक होती है. इस जांच से स्टेनलेस स्टील को बाहर रखा गया है. स्टील के साथ-साथ सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर भी एक बड़ा फैसला किया है. चीन और मलेशिया से आने वाले डायलाइजर की भी डंपिंग जांच शुरू हो गई है. डायलाइजर एक महत्वपूर्ण मेडिकल डिवाइस है, जो किडनी के मरीजों के इलाज में कुत्रिम किडनी की तरह काम करता है. यह मरीज के खून से टॉक्सिन्स और गंदगी साफ करता है. स्थानीय निर्माताओं का कहना है कि विदेशों से आने वाले सस्ते डायलाइजर के कारण भारतीय स्वास्थ्य उत्पाद उद्योग को नुकसान हो रहा है. डीजीटीआर की शुरुआती जांच में यह पाया गया है कि विदेशी सामानों की कीमतें भारतीय बाजार के मुकाबले असामान्य रूप से बहुत कम हैं. यदि अंतिम जांच में भी यह साबित हो जाता है कि इस सस्ते आयात से देश के निर्माताओं को गंभीर आर्थिक चोट पहुंच रही है, तो सरकार इन उत्पादों पर भारी एंटी-डंपिंग ड्यूटी (विशेष आयात शुल्क) लगा देगी. इस शुल्क के लगने से विदेशी सामान महंगे हो जाएंगे और भारतीय कंपनियों को बाजार में बराबरी का मौका मिलेगा।

4 करोड़ की नौकरी छोड़ टेक कर्मचारी ने शुरु किया रेस्टोरेंट



नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, यूट्यूब और क्लूज जैसी बड़ी कंपनियों में करीब 14 साल काम करने वाले 35 वर्षीय सलाहोदीन अब्दुल-काफी ने अपनी लगभग 4.25 करोड़ रुपये सालाना की नौकरी छोड़ दी। रिपोर्ट के अनुसार, सलाहोदीन ने नौकरी छोड़ी, क्योंकि टेक इंडस्ट्री में सिर्फ मुनाफे पर बढ़ते फोकस से वह निराश हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हलाल बारबेक्यू (बीबीक्यू) रेस्टोरेंट शुरू करने का फैसला लिया और नई शुरुआत की सैन फ्रांसिस्को छोड़ने के बाद अब्दुल-काफी ने कम वेतन पर एक धार्मिक गैर-लाभकारी संस्था में काम शुरू किया। खाली समय में वह दोस्तों के लिए बारबेक्यू बनाकर डिनर पार्टियां आयोजित करते थे। दोस्तों को उनका खाना इतना पसंद आया कि उन्होंने रेस्टोरेंट खोलने की सलाह दी। इसके बाद दिसंबर, 2024 में उनका टेक्सास में हलाल बीबीक्यू रेस्टोरेंट शुरू हुआ और पहले ही दिन तैयार किया गया पूरा खाना बिक गया।अब्दुल-काफी ने बताया कि उनका रेस्टोरेंट पिछले साल करीब 23 लाख डॉलर (लगभग 22 करोड़ रुपये) का राजस्व हासिल कर चुका है। इस साल कारोबार 40 लाख डॉलर (लगभग 38 करोड़ रुपये) के बड़े आंकड़े तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट शुरू करने के बाद उन्होंने खुद कोई वेतन नहीं लिया है और अब भी अपनी पुरानी बचत के सहारे ही खर्च चला रहे हैं।अब्दुल-काफी के अनुसार, रेस्टोरेंट शुरू करने में करीब 10 लाख डॉलर (लगभग 9.50 करोड़ रुपये) का शुरुआती निवेश हुआ था, जिसकी भरपाई अभी बाकी है।

राख ने दिखाया दम, 8 एपिसोड वाली क्राइम थ्रिलर ने हिलाया दुनियाभर में इंटरनेट

*बनी नंबर 1 नॉन-इंग्लिश सीरीज

प्रीमियर के बाद से राख ने जबरदस्त सफलता हासिल की है. यह पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया की सबसे बड़ी ओरिजिनल सीरीज डेब्यू बनकर उभरी है. इसके साथ ही यह 23 देशों में नंबर 1 पर टैंड कर चुकी है और 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है. प्राइम वीडियो पर रोलबल प्रीमियर के कुछ ही दिनों में राख सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सीरिज में रहने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज बन गई है. 12 जून को दुनियाभर में रिलीज हुई यह 8 एपिसोड की फिक्शनल क्राइम ड्रामा सीरीज नैतिकता,



अपराध और न्याय के बीच के जटिल रिश्तों के साथ-साथ अपनों को खोने के दर्द को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाती है. एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाड़ीपा के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है. राख को दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्रॉन्स मिला है और यह प्राइम वीडियो की दुनिया की नंबर 1 गैर-अंग्रेजी सीरीज बन गई है.

यह 23 देशों में नंबर 1 पर टैंड कर रही है, जबकि 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है. रिलीज के सिर्फ दो हफ्तों के भीतर राख पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया पर सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल डेब्यू सीरीज भी बन गई है। राख को क्रिटिक्स, दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने जमकर सराहा है. इस सीरीज को एक ऐसी दमदार

और लंबे समय तक याद रहने वाली कहानी बताया जा रहा है, जिसने क्राइम थ्रिलर के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है. सीरीज में कलाकारों की परफॉर्मेंस की भी खूब तारीफ हो रही है. अली फजल के शानदार और करियर की सबसे बेहतरीन मानी जा रही परफॉर्मेंस से लेकर सोनाली बेंद्रे के एक दुखी मां के किरदार, आमिर बशीर के टूटे हुए पिता के इमोशनल रोल और आकाश मखीजा व रामदीप यादव द्वारा बाबू और रज्जो के किरदारों को बेहद खौफनाक अंदाज़ में निभाने तक, हर कलाकार ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है. पूरी स्टारकास्ट ने मिलकर इस कहानी को इतनी गहराई और असरदार तरीके से पेश किया है

कि क्रेडिट्स खत्म होने के बाद भी इसकी चर्चा लगातार जारी है. सीरीज के क्रिएटर्स, राइटर्स और को-डायरेक्टर्स अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने कहा, राख का हर सीन इस सोच के साथ बनाया गया कि हर छोटी से छोटी डिटेल बिल्कुल सही हो और हम पूरी ईमानदारी के साथ वही कहानी कहें, जिस पर हमें पूरा भरोसा था।

प्रोसित रॉय के निर्देशन में बनी राख का निर्माण एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाड़ीपा के सहयोग से किया है. इसके प्रोड्यूसर्स दीपक धार, ऋषि नेगी, मुणालिनी जैन और श्याम राठी हैं. सीरीज को अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने क्रिएट, लिखा और को-डायरेक्ट किया है।

फीफा विश्व कप 2026: इक्वाडोर ने जर्मनी को हराया

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप- ई के मुकाबले में इक्वाडोर फुटबॉल टीम ने बड़ा उलटफेर किया। इस दक्षिण अमेरिकी देश ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जर्मनी फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया। 2006 के बाद पहली बार इक्वाडोर की टीम ने नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की की है। वहीं, एक अन्य मुकाबले में आइवरी कोस्ट ने कुरासाओ को 2-0 से शिकस्त देते हुए राउंड ऑफ-32 में जगह बनाई है। मैच के दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने ने गोल करके जर्मनी को बढ़त दिला दी। जर्मनी



के शुरुआती गोल के बाद इक्वाडोर ने 9वें मिनट में एंगुलो के जरिए तेजी से बराबरी कर ली। इस युवा फॉरवर्ड ने बॉक्स के बाहर से गोल किया, जिसमें कई डिफेंडर और डाइविंग कर रहे मैनुअल न्यूपर को छकाया गया। इसके बाद दूसरे हाफ में प्लाटा ने 77वें मिनट में गोल

किया, जो कि निर्णायक साबित हुआ। ऑप्टा के अनुसार, दूसरे मिनट में साने का गोल फीफा विश्व कप इतिहास में दूसरा सबसे जल्दी गोल था। 1934 में अर्न्स्ट लेहнер ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ तीसरे स्थान के लिए मैच में 3-2 की जीत के दौरान पहले ही मिनट में गोल किया था।

बेन स्टोक्स 250 विकेट और 7,000 रन का डबल पूरा किया

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे कर लिए हैं। ऐसे में वह इस प्रारूप में 250 विकेट और 7,000 रन का डबल पूरा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले केवल जैक्स कैलिस ने ये कारनामा किया था। आइए स्टोक्स के आंकड़ों पर एक नजर

डाल लेते हैं। स्टोक्स ने 122वें टेस्ट की 181 पारी में अपने 250 विकेट पूरे किए। उन्होंने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/22 का रहा है। अपने टेस्ट करियर में इस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा विकेट (57) भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ लिए हैं। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया एक ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ स्टोक्स ने 50 से ज्यादा विकेट (56) लिए हैं।

फीफा विश्व कप 2026: पराग्वे-ऑस्ट्रेलिया के बीच ड्रॉ रहा मैच

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-डी में पराग्वे फुटबॉल टीम और ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल टीम के बीच खेला गया मैच ड्रॉ रहा। लेवाइस स्टेडियम में हुए मैच में कोई गोल देखने को नहीं मिला। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में तुर्की ने अमेरिका फुटबॉल टीम को 3-2 से शिकस्त दी। इस ग्रुप से ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने राउंड ऑफ-32 के लिए प्रवेश किया, जबकि तुर्की का सफर समाप्त हो गया।

लगभग 65 हजार दर्शकों की



मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में बेहतर शुरुआत की और कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन पराग्वे के गोलकीपर ऑलैंडो गिल ने उन प्रयासों को नाकाम किया। दूसरे हाफ में पराग्वे ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन कोई निर्णायक मौका नहीं बना पाई। मैच में ड्रॉ के साथ



गेंदबाजी का फैसला किया। उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शतकीय पारी (114*) खेल दी। वहीं, लौरा वोल्वाइर के बल्ले से 45 रन निकले। एनरी डर्क्सन ने 16 गेंदों में 37 रन बना दिए। जवाब में नीदरलैंड के लिए कोई भी बल्लेबाज मैच जीताऊ पारी नहीं खेल पाया। वह 20 ओवर में

8 विकेट खोकर 120 रन ही बना पाए। अयाबोंगा खाना ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 3 विकेट लिए। ब्रिट्स ने 69 गेंदों का सामना किया और 114 रन बनाए। उनके बल्ले से 15 चौके और 3 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 165.22 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 63 गेंदों में पूरा किया। अब तक इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप में 14 मुकाबले खेले हैं और इसकी 14 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 47.90 की औसत से 527 रन बनाने में सफल रहें हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को हराया

रही थी। इन 2 संस्करणों में कुल 32-32 टीमों ने हिस्सा लिया था, जबकि इस बार 48 टीमों शामिल रही। इस रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेन ट्रस्टी ने तीसरे ही मिनट में गोल करके बढ़त दिला दी। कुछ समय बाद ही 10वें मिनट में अर्दा गुलेर ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। वहीं, अल्पर थिलमाज ने पहले हाफ में गोल करके तुर्की को बढ़त में ला दिया। इसके बाद अमेरिका के सेबेस्टियन बरहल्लर ने 49वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया।

उर्मिला मातोंडकर को नहीं करना था छम्मा छम्मा, बोलीं- आइटम नंबर के बिल्कुल खिलाफ थी मैं

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म चाइना गेट के अपने ब्लॉकबस्टर गाने छम्मा छम्मा को लेकर सालों बाद एक खुलासा किया है। इस सुपरहिट गाने पर चुप्पी तोड़ते हुए उर्मिला ने बताया कि वो शुरुआत में इस गाने को करने के बिल्कुल खिलाफ थीं, क्योंकि वो करियर के उस दौर में कोई आइटम नंबर नहीं करना चाहती थीं। आइए जानते हैं कि आखिर फिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस गाने के लिए हामी भर दी। उर्मिला हाल ही में डॉस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डॉसर सीजन 5 के एक एपिसोड में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुईं, उन्होंने फिल्म चाइना गेट के इस लोकप्रिय गाने पर बात की। उन्होंने कहा,



मुझसे कहा गया कि फिल्म चाइना गेट के सहान निर्देशक राजकुमार संतोषी जी चाहते हैं कि आप इस फिल्म में एक आइटम सॉन करें तो मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं थी, क्योंकि उस दौर में आइटम गानों को बहुत गलत तरीके से देखा जाता था। उर्मिला ने बताया, संतोषी ने मुझसे एक बात कही कि उर्मिला,

बर्सेों पहले एक गाना आया था और आज भी जब लोग डॉस या कोरियोग्राफी की बात करते हैं तो वही एक गाना डॉस की आंखों के सामने आता है। मुझे उस गाने से भी बेहतर गाना बनाना है। मैंने गणेश आचार्य से पूछा कि गाने की श्रृंटिंग कितने दिन चलेगी? उन्होंने कहा कि प्लान 12 दिन का था।

